नाथ की भक्ति में जादू | By Roshan Sharma

काले कजरारे नैना भक्ति में डूबे
जिनको निहारे मन रूप सबके जुड़ते
भूले वो दुनिया संसारी, संसारी
नाथ की भक्ति में जादू है जादू
नाथ की भक्ति में जादू.....

प्यारी प्यारी भक्ति सागर से भी है गहरी
राहें हैं धरती से अम्बर तक सुनहरी
राहें हैं धरती से अम्बर तक सुनहरी
मन की हर गहराई में ये है उतरते
साँसों में श्रद्धा के भाव को जगाते
भूले ये दुनियादारी हाँ दारी
नाथ की भक्ति में जादू है जादू
नाथ की भक्ति में जादू.....

मन मेरा बोले इसकी भक्ति वाली भाषा
मन को न्योछावर करे भूले सब निराशा
मन को न्योछावर करे भूले सब निराशा
उम्मीदें ये पूरी करे भक्तों की सारी
तर जाए जो भी आये बन दुखियारी
इसपे भक्ति लुटा दूँ, लुटा दूँ
नाथ की भक्ति में जादू है जादू
नाथ की भक्ति में जादू.....

अँखियों में इनकी धरती गगन है समाये
चमत्कारी भक्ति से ये भाग्य को जगाये
चमत्कारी भक्ति से ये भाग्य को जगाये
आशा पूरी करते हैं दुखड़े मिटाते हैं
बन पतवार नैया पार ये लगाते हैं
इसपे भक्ति लुटा दूँ, लुटा दूँ
नाथ की भक्ति में जादू है जादू
नाथ की भक्ति में जादू.....

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%a8%e0%a4%be%e0%a4%a5-%e0%a4%95%e0%a5%80-%e0%a4%ad%e0%a4%95%e0%a5%8d%e0%a4%a4%e0%a4%bf-%e0%a4%ae%e0%a5%87%e0%a4%82-%e0%a4%9c%e0%a4%be%e0%a4%a6%e0%a5%82-by-roshan-sharma/